CITY NEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-141

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

आत्मा का अंतिम लक्ष्य परमात्मा में मिल जाना होता है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार, सोमवार 26 अगस्त 2024

भागलपुर में एनएच 80 का डायवर्सन फिर बहा, नालंदा में जिरायन नदी का टूटा तटबंध

भागलपुर। बिहार में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। कई जिले इसकी चपेट में हैं।भागलपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। रविवार को सबौर इलाके में पानी का दबाव इतना बढ़ा कि एक दिन पहले एनएच 80 का दुरुस्त कराया गया डाइवर्जन फिर बह गया। इसमें लगाया गया ह्यूम पाइप पानी के दबाव के कारण बाहर निकल गया और हालात बेकाबू होता देख तुरंत वहां आवाजाही पर रोक लगा दी गई। इधर, कहलगांव-पीरपैंती के तौफिल दियारा में पानी नए इलाकों में भर रहा है और लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं इस्माइलपुर-गोपालपुर इलाके में गंगा के पानी का दबाव इतना बढ़ रहा है कि अब 14 नंबर रोड कटने का खतरा हो गया है। प्रशासन की टीम बचाव के लिए भंवरा खोलना चाह रही है, लेकिन ग्रामीण विरोध कर रहे हैं।

रविवार को शाम 5 बजे भागलपुर में गंगा का जलस्तर 33.70 मीटर दर्ज किया गया। जबकि कहलगांव में 32.04 मीटर दर्ज हुआ। भागलपुर में गंगा खतरे के निशान से दो सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, लेकिन कहलगांव में 93 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता आदित्य प्रकाश ने बताया कि सोमवार को वृद्धि जारी रहेगी लेकिन रफ्तार में आंशिक बढोतरी ही होगी। वहीं नगवछिया के इधर बांध का

कटाव होने के कारण वहां पानी का दबाव ज्यादा हो गया है। अब 14 नंबर रोड पर भी खतरा बन गया है। पूरा प्रशासनिक अमला इस कोशिश में लगा है कि किसी तरह 14 नंबर रोड को बचाया जा सके। एनएच के बाद इस इलाके में 14 नंबर रोड ही लाइफलाइन मानी जाती है। कई प्रखंडों के लोगों का इस होकर आना-जाना है।

नालंदा में जिरायन नदी का तटबंध टूटा

शनिवार को पंचाने नदी के उफान में जिला मुख्यालय के नीचले इलाके के 10 मोहल्लों में बाढ़ का कहर बरपा था। प्रभावित लोग इससे उबर भी नहीं पाये थे कि रविवार की सुबह में जिरायन का तटबंध टूटने से अस्थावां के अंदी गांव के खंधा जलमग्न हो गया। 500 बीघे में लगी खरीफ की फसलें जलजमाधि ले ली। बाढ़ की त्रासदी झेल रहे अंदी के गांव के लोगों का कहना है कि शनिवार की शाम से ही तटबंध में पानी का रिसाव हो रहा था। सूचना के बाद जिला प्रशासन के प्रखंडस्तरीय और बाढ़ नियंत्रण के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे थे। लेकिन, रिसाव को रोकने की कारगर पहल नहीं हुई। नतीजा, सुबह होते-होते तटबंध में 20 फीट से अधिक कटाव हो गया।

किसानों का कहना है कि हाकिमों की अनदेखी की मार भोले भाले ग्रामीणों पर पड़ रही है। चिंता यह भी कि जल्द पानी नहीं निकला तो फसलें बर्बाद हो जाएंगी। मेहनत के सारी पूंजी डूब जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि अंदी गांव के पुरबारी फतहा खंधा में जिराइन नदी पर तटबंध टूटने से फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। सीओ रवीन्द्र कुमार चौपाल तथा बाढ़ नियंत्रण विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सतीष कुमार ने बताया कि जिरायन नदी का जलस्तर घटा है। अंदी के पास टूटे तटबंध की मरम्मत युद्ध स्तर पर करायी जा रही है।

हरनौत के पोवारी के पास तटबंध में कटाव

पंचाने नदी के तेज बहाव के कारण हरनौत के पवारी के पास तटबंध में कटाव हो गया। हालांकि, सूचना के बाद बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा टूटे तटबंध की मरम्मत करायी गयी है। इससे खेतों में लगीं फसलें डूबने से बच गयी। किसानों का कहना है कि तटबंध की मरम्मत न होती तो बड़ा नुकसान उठाना पड़ता।

जमसारी गांव जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त

जिराइन नदी के जलस्तर बढ़ोतरी और पानी के तेज बहाव की वजह से बिंद थाना क्षेत्र के जिराइन ढाई पीपल होते हुए उतरथु, बरहोग और जमसारी गांव जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गयी है। सड़क के क्षतिग्रस्त होने के कारण इन गांवों में रहने वाले लोगों का आवागमन ठप हो गया है। प्रभावित गांवों के लोगों वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

थोड़ा और बढ़ेगा जलस्तर तो तबाही मचनी तय

ग्रामीणों ने बताया कि जब-जब पंचाने नदी में पानी आता है, तब-तब रहुई इलाके में तबाही मचती है। हालांकि, इस साल कम पानी आने की वजह से किसानों को फायदा होगा। लेकिन, इतासंग, डीहरा, रहीमपुर, दुलचंदपुर व मई गांव के पुल के पास काफी दूर तक नदी में जलकुंभियां फैली हुई हैं। हालांकि, कई जगहों पर जलकुंभियों को निकालने की खानापूर्ति की गयी है। जलकुंभियां पानी के बहाव को रोकने में बाधा बन सकता है। जलकुंभियों की सफाई नहीं करायी गयी और नदी का जलस्तर दो फीट बढ़ा तो तबाही मचनी तय है।

कई महीने से लड़का खा रहा था 'लोहा'

पेट से निकला नेलकटर-चाबी और.. वजह जान डॉक्टर हैरान

मोतिहारी। आज तक आपने जादूगर को ब्लेड चबाते हुए या खाते हुए देखा होगा जो सिर्फ जादूगर ही कर सकते हैं, लेकिन इसे सच कर दिखाया है मोतिहारी के एक लड़के ने जिसके पेट से चाबी का गुच्छा, नेलकटर चाकू जैसे कई मेटल के सामान निकले हैं. यह मामला बिहार के मोतिहारी शहर के चांदमारी मोहल्ले के एक लड़के का है, जो मोबाइल पर वीडियो देखने के बाद कुछ अलग कारनामा करने का सोचा और उसने चाबी का गुच्छा, नेल कटर, चाकू सहित कई सामान को निगल लिया.

यह मामला तब सामने आया जब उसकी मां अपने गोदरेज की अलमारी की चाबी खोजने लगीं और जब उसे चाबी नहीं मिली तो उन्होंने लड़के से पूछा. लड़के ने भी मां को बता दिया कि उसने चाबी खुद ही खा ली है, जिसके बाद आनन-फानन में उसके घरवाले मोतिहारी के डॉक्टर के पास ले गए. वहां अल्ट्रासाउंड करने पर यह पता चला कि उसके पेट में बहुत सारी मेटल की चीज फंसी पड़ी है. इसके बाद डॉक्टर के पास ले जाने पर डॉक्टर ने घरवालों की रजामंदी से ऑपरेशन करने की बात कही.

डॉक्टर हैरान, एक दिन में तो नहीं निगला ये सब? ऑपरेशन के बाद युवक के पेट से चाबी का गुच्छा, नेकलेस नेल कटर और एक छोटा सा चाकू निकाला गया. करीब 1 घंटे तक चले ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर भी हैरत में रहे कि आखिर इतना सारा चीज बच्चा एक दिन में तो

खाया नहीं होगा. वह धीरे-धीरे मेटल के सामान को निगलता रहा. युवक को मोबाइल देखने की बड़ी गंदी लत लग गई थी. वह सारा समय मोबाइल पर वीडियो ही देखा करता था, जिसके बाद वह धीरे-धीरे मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर होने लगा और घर के जरूरी सामान को जो मेटल के बने हुए होते थे, उसे चुपचाप निगलने लगा.

युवक पिछले कई सालों से मोबाइल पर पबजी और खतरनाक गेम्स को देखा करता था. इस कारण उसका मानसिक संतुलन बिगड़ता चला गया था. इस दौरान वह घर के जरूरी सामानों को छुपाने के नियत से निगलता चला गया. बाद में जब घर में खोजबीन शुरू हुई तो उसने स्वीकार किया कि वह इन सामानों को निगल गया है, लेकिन परिवार के लोगों को उस पर भरोसा नहीं हुआ. घरवालों ने जब युवक के पेट का अल्ट्रासाउंड और एक्सरे करवाया तो सच सामने आया. इसके बाद घरवालों के होश उड़ गए. डॉक्टर के अनुसार ऑपरेशन करने के बाद युवक के हालात में सुधार आया है और वह बहुत जल्द ही ठीक हो जाएगा.

डॉ. गोपाल ने कहा

प्रमोद यादव बने राजद जिलाध्यक्ष

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी। राजद के किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 गोपाल कृष्ण कुमार चंदन के द्वारा पूर्वी चंपारण के प्रमोद कुमार यादव उर्फ मंटू यादव जी को राजद किसान प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया । वही प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी संगठन को सुदृढ़ व धारदार सक्रिय भूमिका तथा दल के संघर्षात्मक व रचनात्मक कार्यों में अहम भूमिका निभाने के कारण इनको किसान प्रकोष्ठ पूर्वी चंपारण के जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इनके मनोनयन से राजद पार्टी सुदृढ़ व मजबूत होगी। इनके मनोनयन पर बधाई देने वालों में किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 गोपाल कृष्ण कुमार चंदन , राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष बिनोद श्रीवास्तव, बिहार परदेश अल्पसंख्यक परकोसठ के महासचिव मो0 नसीम अख्तर कल्याणपुर

विधायक मनोज यादव, नरकटिया विधायक शमीम अहमद, सुगौली विधायक शशि सिंह, चिरैया के पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण यादव, केसरिया पूर्व विधायक राजेश कुशवाहा, ढाका के पूर्व विधायक फैजल रहमान, नगर निगम के महापौर प्रीति गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गप्पु राय, अखिलेश्वर प्रसाद यादव उर्फ भाई जी, नौरंगिया मुखिया रमेश यादव, पूर्व राजद जिलाध्यक्ष अरुण यादव, सुरेश यादव , बच्चा यादव, शंभू यादव , रविशंकर वर्मा, मुन्ना यादव, बाला सिंह, मनोज यादव मुन्नीलाल यादव इत्यादि सैकड़ों राजद के कार्यकर्ताओं ने प्रमोद यादव उर्फ मंटू यादव के राजद के किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बनने पर बधाई व शुभकामनाएं दी। उक्त आशय की जानकारी नौरंगिया मुखिया रमेश यादव ने

समाजवाद का मुखौटा लगाकर स्थापित किया भ्रष्टाचार का कीर्तिमानः जदयू

आर्थिक पिछड़ेपन का असली गुनहगार है लालू परिवार

पटना। जनता दल यूनाइटेड ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव एवं उनके परिवार पर समाजवाद का मुखौटा लगाकर भ्रष्टाचार का कीर्तिमान स्थापित करने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि राज्य के आर्थिक पिछड़ेपन का असली गुनाहगार लालू परिवार है।

बिहार जदयू के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन का असली गुनाहगार लालू प्रसाद यादव एवं उनका परिवार है। लालू परिवार ने अपनी तिजोरी भरने के लिए बिहार के सरकारी खजाने को खाली कर दिया, जिसका खामियाजा प्रदेश की 14 करोड़ जनता आज भी भुगत रही है। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी के शासनकाल में हुए अनेकों घोटाले और लाचार व्यवस्था की वजह से बिहार विकास की दौड़ में देश के बाकी अन्य राज्यों से पीछे छूट गया।

कुशवाहा ने कहा कि नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार का अनर्गल और आधारहीन आरोप लगाने से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि तेजस्वी यादव के माता-पिता ने फर्जी समाजवाद का मुखौटा लगाकर देश में भ्रष्टाचार का नया कीर्तिमान स्थापित किया।

बिहार में कोयला लदी मालगाड़ी डिरेल

आठ डिब्बे पटरी से उतरे, गया धनबाद रेलखंड पर हादसा

गया। बिहार के गया जिले में बाढ़ स्पेशल कोयला लदी मालगाड़ी पटरी से उतर गई। मालगाड़ी के आठ डिब्बे बेपटरी हो गए। और गुड्स ट्रेन दो टुकडों में बंट गई। घटना बंधुआ-पैमार रेल लाइन को जोड़ने वाली रेल ओवर लाइन पर घटी। शाम करीब साढ़े चार बजे मानपुर के रसलपुर गेट के पास ये हादसा हुआ। इस लाइन से केवल कोयला लोडेड मालगाड़ियां ही गुजरती हैं।

इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। और ट्रेनों के परिचालन में किसी तरह की कोई रुकावट नहीं देखी गई है। लेकिन ट्रैक पर भारी मात्रा में कोयला बिखर गया है। यातायात ठप हो गया है। और कई वाहन फंस गए हैं। गया जंक्शन से दुर्घटना राहत वाहन को भेजा गया है। ट्रैक को बहाल करने का काम जारी है। वहीं मालगाड़ी के डिब्बों को भी

हटाया जा रहा है। रेलवे के अधिकारी और राहत बचाव दल मौके पर मौजूद है। हालांकि अभी तक मालगाड़ी के बेपटरी के वजह का खुलासा नहीं हो सका है।

शिवहर के विभिन्न सड़को पर अधिक संख्या में लगे रोड ब्रेकर हटाने से संबंधित परिवाद निष्पादित

अंशु तिवारी । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर के सड़को पर से रोड ब्रेकर हटाने से संबंधित परिवाद जिला लोक शिकायत निवारण में निष्पादित हो गया है । इस संबंध में मुकुन्द प्रकाश मिश्र ने परिवाद दायर किया था उक्त के आलोक में परिवाद की छायाप्रति कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग, शिवहर को भेजते हुए प्रतिवेदन की मांग की थी कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग, शिवहर के प्रतिनिधि आनन्द चौधरी, कनीय अभियंता उपस्थित हुए। जिला परिवहन पदाधिकारी, शिवहर ने अपने पत्रांक- 506 दिनांक- 19.08.2024 के द्वारा सूचित किया है कि दिनांक 23 अगस्त 2024 को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई है। स्पीड ब्रेकर के कारण इमरजेंसी वाली गाड़ियां जैसे एंबुलेंस, पुलिस गाड़ी एवं फायर ब्रिगेड की गाडियां धीमी पड़ जाती हैं। स्पीड ब्रेकर्स के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है तथा वाहनों में ईंधन की एफिशिएंसी भी कम जाती है एवं वायु प्रदूषण का खतरा भी बढ़ जाता है।

वाहनों का नीचे वाला भाग स्पीड ब्रेकर में टकरा सकता है तथा वाहनों को नुकसान पहुंचता है तथा सामान्यतः दो पहिया वाहनों के लिए तो यह जानलेवा ही साबित होती है। स्पीड ब्रेकर की समस्या से निजात पाने के लिए माननीय उच्च न्यायात्तय एवं राज्य सरकार के द्वारा समय-समय पर दिशा निर्देश दिए जाते रहे हैं।

परंतु शिवहर जिला के ग्रामीण इलाके में प्राय पाया जाता है कि हर छोटे अंतराल के बाद ग्रामीण सड़कों पर स्पीड ब्रेकर अनप्लांड रूप से लगाए गए हैं।। लोक प्राधिकार का कहना है कि स्पीड ब्रेकर को तोड़ने में स्थानीय लोगों का विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वर्णित परिस्थितियों में यह उचित प्रतीत होता है कि शिवहर जिले में स्पीड ब्रेकर के मामले को जिला सड़क सुरक्षा समिति जिसके सदस्य पुलिस अधीक्षक समेत सभी तरह के कार्यपालक अभियंता होते हैं को स्पीड ब्रेकर्स के संबंध में निर्णय लेने हेतु अनुरोध किया जाए।

मामले को जिला परिवहन पदाधिकारी शिवहर को जिला सड़क सुरक्षा समिति की अगली बैठक आज दिनांक 23 अगस्त 2024 में रखे जाने हेतु अनुशंसा के साथ वाद को स्वीकृत करते हुए निष्पादित किया गया है।